खबरों में रहे स्टॉक

संेचुरी प्लाईबोर्ड्स

पहली तिमाही में 31 करोड़ रुपये का मुनाफा

₹ 419.3 पिछला बंद भाव
₹ 426.9 आज का बंद भाव
▲ 1.8 %

मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट

पहली तिमाही में 147 करोड़ रुपये का मुनाफा

₹ 287.3 पिछला बंद भाव
₹ 303.2 आज का बंद भाव
▲ 5.5 %

हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस

स्वास्थ्य सेवा कारोबार बीपीईए को बेचने के लिए करार

₹ 3,081.8 पिछला बंद भाव
₹ 3,235.9 आज का बंद भाव
▲ 5.0 %

लिंडे इंडिया

कैलेंडर वर्ष 2021 की दूसरी तिमाही में समेकित लाभ करीब 4 गुना बढ़ा

₹ 1,791.5 पिछला बंद भाव
₹ 1,838.4 आज का बंद भाव
▲ 2.6 %

टिमकेन इंडिया

पहली तिमाही में मुनाफा 18 गुना बढ़ा

₹ 1,489.6 पिछला बंद भाव
₹ 1,551.0 आज का बंद भाव
▲ 4.1 %

संक्षेप में

मेकमाईट्रिप ने बेची आईएग्जिगो की हिस्सेदारी

मेकमाईट्रिप ने ऑनलाइन ट्रैवल पोर्टल आईएग्जिगो की 8 फीसदी हिस्सेदारी मौजूदा निवेशकों को 3.85 करोड़ डॉलर (करीब 285 करोड़ रुपये) में बेच दी। मेकमाईट्रिप ने इस सौदे में करीब 245 करोड़ रुपये का मुनाफा अर्जित किया। कंपनी ने सोमवार को नियामकीय सूचना में ये बातें कही है। इस सूचना में आईएग्जिगो का नाम नहीं लिया गया है। मेकमाईट्रिप देश की सबसे बड़ी ऑनलाइन ट्रैवल पोर्टल है और वह आईएग्जिगो संग प्रतिस्पर्धा करती है। साल 2011 में उसने इसकी 19.9 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी थी। बाद में उसने कुछ हिस्सेदारी बेची थी। *बीएस*

महिंद्रा ने 29,878 पिकअप वाहन वापस मंगाए

महिंद्रा ऐंड महिंद्रा ने अपने पिकअप वाहनों के फ्लूड पाइप ठीक ढंग से नहीं लगे होने के संदेह के बीच उन्हें बदलने के लिए 29,878 वाहनों को वापस मंगाया है। कंपनी ने बताया कि उसने जनवरी 2020 से फरवरी 2021 के बीच निर्मित कुछ पिकअप वाहनों के खराब फ्लूड पाइप को बदलने और निरीक्षण के लिए इन वाहनों को वापस मंगाया है। *भाषा*

कोल इंडिया का शुद्ध लाभ 52 फीसदी बढ़ा

कोल इंडिया का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 52.4 फीसदी बढ़कर 3,169.85 करोड़ रुपये हो गया। परिचालन आय बढ़ने से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी ने 2,079.60 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया है। एकीकृत परिचालन आय बढ़कर 25,282.15 करोड़ रुपये पर पहुंच गई जो एक साल पहले इसी तिमाही में 18,486.77 करोड़ रुपये रही थी। *भाषा*

रिलायंस पावर को पहली तिमाही में शुद्ध लाभ

रिलायंस पावर ने 30 जून को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 12.28 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का 1.88 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। कुल आय घटकर 2,062.59 करोड़ रुपये रह गई। *भाषा*

एचजीएस ने बेचा स्वास्थ्य कारोबार

हिंदुजा समूह की बिजनेस प्रॉसेस कंपनी ने बीपीईए संग बिक्री सौदे पर हस्ताक्षर किए

नेहा अलावधी
नई दिल्ली, 10 अगस्त

- यह सौदा 90 दिनों के भीतर पूरा होने की उम्मीद है जो शेयरधारकों एवं अन्य नियामकीय मंजूरियों पर निर्भर करेगा
- सौदे से प्राप्त नकदी का उपयोग कारोबार को बढ़ाने के साथ-साथ कुछ दक्षता हासिल करने में किया जाएगा

हिंदुजा समूह की बिजनेस प्रॉसेस मैनेजमेंट कंपनी हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस लिमिटेड (एचजीएस) ने आज कहा कि उसने 1 अरब डॉलर के एंटरप्राइज मूल्य पर अपनी स्वास्थ्य सेवा कारोबार की बिक्री के लिए बैरिंग प्राइवेट इक्विटी एशिया (बीपीईए) से संबद्ध फंड के साथ एक निश्चित समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने कहा है कि यह सौदा 90 दिनों के भीतर पूरा होने की उम्मीद है जो शेयरधारकों एवं अन्य नियामकीय मंजूरियों पर निर्भर करेगा।

यह विनिवेश मूल्य का खुलासा करने संबंधी समूह के प्रयासों का हिस्सा है। एचजीएस ने पिछले साल सितंबर में कहा था कि बाजार परिदृश्य और अवसरों को ध्यान में रखते हुए सभी इकाइयों के मूल्य का खुलासा करना करने के लिए कंपनी के बोर्ड ने मौजूदा कारोबार पोर्टफोलियो की समीक्षा करने के लिए कहा है। एचजीएस ने जनवरी 2020 में अपने भारतीय घरेलू कारोबार का भी विनिवेश किया था।

स्वास्थ्य सेवा कारोबार के तहत चार देशों- भारत, फिलिपींस, अमेरिका और जमैका- में करीब 20,000 कर्मचारी कार्यरत हैं। वित्त वर्ष 2021 में इस कारोबार ने करीब 40 करोड़ डॉलर का राजस्व दर्ज किया है। इस प्रकार कंपनी के कुल कारोबार में यह करीब 53 फीसदी हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। वित्त वर्ष 2021 के लिए कंपनी ने 75.39 करोड़ डॉलर का राजस्व दर्ज किया।

सौदा पूरा होने के बाद एचजीएस बैरिंग पीई एशिया को अपने सभी ग्राहक, परिसंपत्ति और कर्मचारी हस्तांतरित कर देगी। इसके बाद कंपनी अपने कंज्यूमर एंगेजमेंट सॉल्यूशंस (सीईएस), एचजीएस डिजिटल और एचआरओ/ पेरोल कारोबार पर ध्यान केंद्रित करेगी जो अपनी नौ इकाइयों के जरिये कई शीर्ष वैश्विक ब्रांडों को सेवाएं उपलब्ध कराती है।

एचजीएस के वैश्विक सीईओ पार्थ डे सरकार ने विनिवेश और पहली तिमाही के नतीजे पर निवेशकों के साथ चर्चा के दौरान कहा, 'इस लेनदेन के परिणामस्वरूप जो नकदी हासिल होगी उसका उपयोग कारोबार को बढ़ाने के साथ-साथ उन दक्षताओं को हासिल करने में किया जाएगा जो ग्राहक अनुभव में बदलाव लाने के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।'

एचजीएस जिन तीन क्षेत्रों दक्षता हासिल करना चाहती है उनमें एनालिटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वचालन शामिल हैं। डे सरकार ने कहा कि कंपनी अपने कारोबारी मेल में बदलाव करते हुए प्रौद्योगिकी आधारित कारोबार पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहती है। बैरिंग पीई को इस अधिग्रहण से अपने प्रौद्योगिकी प्रोर्टफोलियो को मजबूती देने में मदद मिलेगी।

कंपनी का शेयर आज 5 फीसदी बढ़त के साथ 3,235.8 रुपये पर बंद हुआ। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी का राजस्व 25.5 फीसदी बढ़कर 1,550.5 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान शुद्ध लाभ 137.7 फीसदी बढ़कर 117 करोड़ रुपये हो गया। शुद्ध मार्जिन 7.5 फीसदी रहा।

वेदांत 20 अरब डॉलर का निवेश करेगी

अदिति दिवेकर
मुंबई, 10 अगस्त

भारत में धातुओं की अगुआई में होने वाले मजबूत बढ़त के परिदृश्य के साथ अनिल अग्रवाल की वेदांत लिमिटेड विभिन्न कारोबारों मे 20 अरब डॉलर तक निवेश पर विचार कर रही है, जिसमें चांदी का उत्पादन दोगुना करना और स्टील की क्षमता में दोगुनी करना शामिल है।

अग्रवाल ने पिछे महीने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि कंपनी की योजना तीन साल में 5 अरब डॉलर के पूंजीगत खर्च की है। कंपनी ने हालांकि 20 अरब डॉलर के निवेश की समयसीमा के बारे में नहीं बताया है। मंगलवार को वेदांत रिसोर्सेस लिमिटेड के संस्थापक व चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा, एल्युमीनियम में हम पहले ही भारत के सबसे बड़े उत्पादक हैं। चांदी का उत्पादन दोगुना करने का हमारा इरादा है क्योंकि यह न सिर्फ बहुमूल्य धातु है बल्कि हाईटेक इंडस्ट्री व अक्षय ऊर्जा में भी इसका इस्तेमाल होता है। स्टील में भी हमारा इरादा उत्पादन क्षमता दोगुना करने का है।

अग्रवाल वेदांत की 56वीं सालाना आम बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, पिछले 10 वर्षों मे कंपनी ने सरकारी खजाने में 2.7 लाख करोड़ रुपये का योगदान किया है। उन्होंने कहा, फेकर व उसके फेरो एलॉय कारोबार का अधिग्रहण हमारा विशाखन और भविष्य की तैयारी का एक और उदाहरण है।

तेल की मांग पर उन्होंने कहा, वेदांत तेल व गैस का देसी उत्पादन 50 फीसदी बढा़ने पर विचार कर रही है ताकि मांग पूरी हो सके। कंपनी ने अब तक का सबसे ज्यादा एबिटा 27,341 करोड़ रुपये दर्ज किया है, जो सालाना आधार पर 30 फीसदी ज्यादा है। वित्त वर्ष 2021 में कंपनी का राजस्व 86,863 करोड़ रुपये था, जो सालाना आधार पर 4 फीसदी ज्यादा है।

इंटरनैशनल फाइनैंस कॉर्पोरेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, वेदांत का परिचालन भारत की जीडीपी में 1 फीसदी का योगदान करता है।

व्हर्लपूल का करोपरांत लाभ 62 फीसदी बढ़ा

होम अप्लायंसेज क्षेत्र की प्रमुख कंपनी व्हर्लपूल ऑफ इंडिया ने अप्रैल से जून तिमाही के दौरान अपने करोपरांत लाभ (पीएटी) में 62 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। तिमाही के दौरान उसका शुद्ध लाभ बढ़कर 25.5 करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले की समान अवधि में 15.8 करोड़ रुपये रहा था।

तिमाही के दौरान कंपनी का परिचालन राजस्व एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 30.5 फीसदी बढ़कर 1,341 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि कंपनी ने कमजोर आधार पर अपने राजस्व में वृद्धि दर्ज की है क्योंकि पिछले साल जून तिमाही में उसके राजस्व में गिरावट दर्ज की गई थी। कोविड-पूर्व प्रदर्शन के मुकाबले कंपनी का परिचालन राजस्व जून 2019 तिमाही के 1,974 करोड़ रुपये के मुकाबले कमजोर रहा।

हालांकि जून 2019 और जून 2020 दोनों तिमाहियों के मुकाबले कंपनी के शुद्ध लाभ में वृद्धि दर्ज की गई जिसे तैयार माल की इन्वेंट्री में उल्लेखनीय बदलाव, कार्य प्रगति पर होने और स्टॉक इन ट्रेड से बल मिला। व्हर्लपूल ऑफ इंडिया के चेयरमैन अरविंद उप्पल ने कहा, 'लॉकडाउन और महंगाई की दोहरी मार के बावजूद नतीजे अच्छे रहे। दूसरी लहर की गंभीरता और आपूर्ति में व्यवधान के मद्देनजर यह काफी चुनौतीपूर्ण तिमाही रही। हमारा कारोबार लगातार दमदार रहेगा और हम भविष्य को लेकर बिल्कुल आवश्वस्त हैं।' *बीएस*

जापान की टेक्नोप्रो की हुई रोबोसॉफ्ट

पीरजादा अबरार
बेंगलूरु, 10 अगस्त

उडुपी की डिजिटल बदलाव समाधान फर्म रोबोसॉफ्ट टेक्नोलॉजिज ने 805 करोड़ रुपये में कंपनी की बिक्री के लिए जापान की कंपनी टेक्नोप्रो होल्डिंग्स के साथ एक निश्चित समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी के ग्राहकों में ऐपल जैसी प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियां शामिल हैं।

रोबोसॉफ्ट की स्थापना रोहित भट्ट ने 1996 में कर्नाटक के एक छोटे से शहर उडुपी में की थी। यह शहर मुख्य तौर पर कृष्ण के मंदिर और अपने व्यंजन के लिए जाना जाता था। अपने पहले ग्राहक ऐपल के साथ रोबोसॉफ्ट ने तमाम सॉफ्टवेयर समाधान तैयार किए। तब से इसने दुनिया भर में ग्राहकों की मांग अनुरूप डिवाइस ड्राइवर, गेम, वीडियो एडिटिंग सॉफ्टवेयर और इमेजिंग सॉफ्टवेयर विकसित किए हैं।

अधिग्रहण के बावजूद रोबोसॉफ्ट मुख्य कार्याधिकारी रवि तेजा बोमिरेड्डीपल्ली के नेतृत्व में मौजूदा प्रबंधन टीम को बरकरार रखेगी। बोमिरेड्डीपल्ली को कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ के तौर पर पदोन्नति भी दी जा रही है।

रोबोसॉफ्ट के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक रोहित भट्ट ने कहा, 'पिछले दो दशक के दौराना रोबोसॉफ्ट का सफर असाधारण रहा है और इस दौरान तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद उसने विकास किया है। एस्सेंट कैपिटल और कलारी कैपिटल के साथ साझेदारी ने हमें दमदार वृद्धि के दौर में पहुंचा दिया और मैं काफी खुश हूं कि हम कंपनी की कमान टेक्नोप्रो जैसी प्रमुख वैश्विक कंपनी के हाथों में सौंप रहे हैं।'

टेक्नोप्रो के अध्यक्ष, प्रतिनिधि निदेशक एवं सीईओ ताकेशी यागी ने कहा कि उनकी कंपनी रोबोसॉफ्ट की तेज वृद्धि, मजबूत नेतृत्व टीम, उभरती प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता और ग्राहकों के साथ मजबूत संबंधों को देखकर काफी उत्साहित है।

'दूरसंचार में व्यवहार्यता जरूरी'

बीएस संवाददाता
नई दिल्ली, 10 अगस्त

भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने उम्मीद जताई कि सरकार और नियामक दूरसंचार क्षेत्र में व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएंगे

भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कहा है कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दूरसंचार क्षेत्र द्विध्रुवीय न होने पाए। मित्तल ने उम्मीद जताई कि सरकार और नियामक दूरसंचार क्षेत्र में व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएंगे ताकि यह निवेश के लिए एक व्यवहार्य क्षेत्र बरकरार रहे।

मित्तल ने कहा कि दूरसंचार उद्योग को अपना मौजूदा 3+1 ढ़ांचा बरकरार रखने के लिए काफी मदद की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था में इस क्षेत्र की भूमिका कहीं अधिक व्यापक हो गई है और इसलिए इसकी चुनौतियां भी बड़ी हो गई हैं।

वित्त वर्ष 2020-21 के लिए एयरटेल की वार्षिक रिपोर्ट में मित्तल ने कहा कि विरासत संबंधी कानूनी मुद्दों के साथ-साथ अत्यधिक पूंजी निवेश वाले परिवेश में कम रिटर्न और अस्थिर मूल्य निर्धारण जैसे मुद्दों ने इस क्षेत्र की चुनौतियां बढ़ा दी हैं। उन्होंने कहा, 'उद्योग को अपना मौजूदा 3+1 ढ़ांचा बरकरार रखने के लिए लंबे समय तक मदद की आवश्यकता है। साथ ही कंपनियों को निवेश पर एक सम्मानजनिक रिर्टन अर्जित करने की अनुमति दी जानी चाहिए।'

मित्तल ने कहा कि भारत दीर्घकालिक निवेशकों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य रहा है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास भारत को डिजिटल अर्थव्यवस्था में वैश्विक अग्रणी देश बनाने का अवसर मौजूद है। हमें इन अवसरों को भुनाने के लिए नीतियों को लगातार विकसित करने की आवश्यकता है। साथ ही निवेश, उद्यमशीलता और नवाचार को सहयोग के जरये बढ़ावा देने की जरूरत है।' उन्होंने कहा, 'एयरटेल अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।'

पिछले 25 वर्षों के दौरान दूरसंचार क्षेत्र भारत और उसकी अर्थव्यवस्था में बदलाव लाने के लिए एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है। मित्तल ने कहा कि वैश्विक महामारी के दौरान भी इस क्षेत्र ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई और एक अरब से अधिक लोगों को आपसी संपर्क बरकरार रखने में मदद की। उन्होंने इसे एक उत्कृष्ट उपलब्धि करार दिया।

मित्तल ने कहा, 'हम हमेशा बरकरार रहने वाली चुनौतियों के बीच वित्तीय समझदारी दिखाते हुए अपनी रणनीति को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।' कंपनी के बहीखाते की मजबूती लगातार बरकरार है जिससे वृद्धि के लिए रणनीतिक तौर पर निवेश जारी रखने की गुंजाइश बनती है।

kotak Kotak Mahindra Bank

आस्ति की ऑनलाइन ई-नीलामी बिक्री

कोटक महिन्द्रा बैंक लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय : 27 बीकेसी, सी 27, जी ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्पलेक्स, बांद्रा (पू.), मुम्बई, महाराष्ट्र, कोड-400 051.
शाखा कार्यालय : 5वीं मंजिल, मेट्रो टॉवर, ए.बी. रोड निकट विजय नगर स्क्वैयर इन्दौर- 452001

अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के साथ पठित नियम 8(5) के तहत प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 की वित्तीय आस्तियों तथा प्रवर्तन के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण के तहत अचल आस्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी विक्रय सूचना।

एतद्वारा जनसामान्य को तथा विशेष रूप से कर्जदार(रों) और जमानती(यों) को सूचना दी जाती है कि कोटक महिन्द्रा बैंक लिमिटेड के पास बंधक/प्रभारित नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति, जिस पर कोटक महिन्द्रा बैंक लिमिटेड के अधिकृत प्राधिकारी ने बीएचएफएल द्वारा इसके पक्ष में ऋण के असाइनमेंट के अनुसार 17.06.2021 को कब्जा कर लिया है, कोटक महिन्द्रा बैंक लिमिटेड, प्रतिभूत लेनदार के श्री बलराम मखीजा, श्रीमती अनीता मखीजा, श्री दीपक मखीजा, श्री नरेश मखीजा से ऋण खाता सं. 425GVH52911427 ,425GHP52905118, 425HML52904446 तथा 425THL52904987 के तहत 10.08.2021 तक बकाया रु. 52,59,010/- तथा वसूली की तिथि तक भावी प्रयोज्य ब्याज की वसूली हेतु ई-नीलामी के माध्यम से "जहाँ है जैसे है", "जो है वही है" तथा "जो कुछ भी है वहीं है" के आधार पर दिनांक 17.09.2021 को 12.00 बजे अप. से 1.00 बजे अप. के बीच 5 मिनट के असीमित विस्तार सहित बिक्री की जायेगी। सम्पत्ति सं. 1 : आरक्षित मूल्य रु. 15,50,000/- (रुपये पन्द्रह लाख पचास हजार मात्र) तथा जमा धरोहर राशि रु. 1,55,000/- (रुपये एक लाख पचपन हजार मात्र), सम्पत्ति 2 : आरक्षित मूल्य रु. 15,50,000/- (रुपये पन्द्रह लाख पचास हजार मात्र) तथा जमा धरोहर राशि रु. 1,55,000/- (रुपये एक लाख पचपन हजार मात्र) होगी तथा केवाईसी सहित ईएमडी जमा करने की अन्तिम तिथि 16.09.2021 को 5:00 बजे अप. (भा.मा.स.) तक है।

सम्पत्ति का विवरण : सम्पत्ति 1. फ्लैट सं. 101, प्रथम तल, गुरुकृपा अपार्टमेंट, प्लॉट सं. 194, जयजगत कॉलोनी, तहसील एवं जिला इन्दौर-452001, पूर्व : सड़क, पश्चिम : प्लॉट सं. 191, उत्तर : प्लॉट सं. 102, दक्षिणः प्लॉट सं. 195, सम्पत्ति 2 : फ्लैट सं. 102, प्रथम तल, गुरुकृपा अपार्टमेंट, प्लॉट सं. 194, जयजगत कॉलोनी, तहसील एवं जिला इन्दौर-452001, पूर्व : सड़क, पश्चिम : प्लॉट सं. 191, उत्तर : प्लॉट सं. 101, दक्षिणः प्लॉट सं. 195

आस्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय-सीमा के परिप्रेक्ष्य में कर्जदारों का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 8 के प्रावधानों की ओर आकृष्ट किया जाता है। जनसामान्य तथा विशेष रूप से कर्जदार कृपया ध्यान दें कि यदि किसी भी कारणवश यहाँ अनुसूचित नीलामी असफल हो जाती है तो प्रतिभूत लेनदार निजी सन्धि द्वारा बिक्री के माध्यम से प्रतिभूति हित प्रवर्तित कर सकते हैं। बिक्री के तहत आस्तियों से सम्बन्धित किसी स्पष्टीकरण/आवश्यकता के मामले में संविदाकार सम्पर्क करें : श्री राजेन्द्र दहिया (+91 8448264515), श्री पंकज राय (+91 7768003567), श्री गोविन्द पोद्दार (+91 9073697729) तथा श्री प्रतीक दुबे (+91 9826636599). बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिएकृपया कोट महिन्द्रा बैंक की वेबसाइट अर्थात www.kotak.com में प्रावधानित लिंक https://www.kotak.com/en/bank-auctions.html तथा/अथवा https://kotakbank.auctiontiger.net का सन्दर्भ लें।

स्थान : इन्दौर, तिथि : 10.08.2021 **अधिकृत प्राधिकारी : कोटक महिन्द्रा बैंक लिमिटेड**

बिज़नेस स्टैंडर्ड
भोपाल संस्करण

बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटिड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा दैनिक भास्कर, प्लॉट नं. 10 व 11, सेक्टर बी, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल, म.प्र. 462023 से मुद्रित एवं C/o. अशोक कुमार जैन, शॉप नंबर 1, पटेल मार्केट, संगम टॉकीज के समीप, भोपाल -462001 से प्रकाशित
संपादकः कैलाश नौटियाल

आरएनआई न० WBHIN/2008/24333
पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं1
टेलीफोन - 033-22101314/1022/1600 फैक्स- 033-22101599
सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए कृपया संपर्क करें..
सुश्री मानसी सिंह
हेड कस्टमर रिलेशन्स
बिज़नेस स्टैंडर्ड लिमिटेड, तीसरी और चौथी मंजिल, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, सेंचुरी मिल्स के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई 400 013
ई मेल.. subs_bs@bsmail.in
या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS

डिसक्लेमर.. बिज़नेस स्टैंडर्ड में प्रकाशित समाचार रिपोर्ट और फीचर लेखों के माध्यम से बाजारों, कॉर्पोरेट जगत और सरकार से जुड़ी घटनाओं की निष्पक्ष तस्वीर पेश करने का प्रयास किया जाता है1 बिज़नेस स्टैंडर्ड के नियंत्रण एवं जानकारी से परे परिस्थितियों के कारण वास्तविक घटनाक्रम भिन्न हो सकते हैं। समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर पाठकों द्वारा किए जाने वाले निवेश और लिए जाने वाले कारोबारी निर्णयों के लिए बिज़नेस स्टैंडर्ड कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है। पाठकों से स्वयं निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है। बिज़नेस स्टैंडर्ड के सभी विज्ञापन सद्भाव में स्वीकार किए जाते हैं। इनके साथ बिज़नेस स्टैंडर्ड न तो जुड़ा हुआ है और न ही उनका समर्थन करता है। विज्ञापनों से संबंधित किसी भी प्रकार का दावा संबंधित विज्ञापनदाता से ही किया जाना चाहिए।
मै0 बिज़नेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 का सर्वाधिकार सुरक्षित है। बिज़नेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 से लिखित अनुमति लिए बगैर समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी सामग्री का किसी भी तरह प्रकाशन या प्रसारण निषिद्ध है। किसी भी व्यक्ति या वैधानिक निकाय द्वारा इस तरह का निषिद्ध एवं अनधिकृत कार्य करने पर दीवानी और फौजदारी कार्यवाही शुरु की जाएगी।

कोई हवाई अधिभार नहीं

परिसंपत्ति गुणवत्ता जोखिम बढ़ा, पर नीतिगत समर्थन से मिलेगी मदद

अभिजित लेले
मुंबई, 10 अगस्त

- आसियान अैर भारत में बैंकों के लिए, कोरोनावायरस महामारी से संबंधित सख्ती से आर्थिक रिकवरी की राह प्रभावित होगी और कर्जदारों की ऋण चुकाने की क्षमता घटेगी
- मूडीज के अनुसार, फिर भी लगातार नीतिगत समर्थन और नुकसान को सहन करने की मजबूत क्षमता से नकारात्मक प्रभाव कम करने में मदद मिलेगी

आसियान और भारत के कई हिस्सों में बैंकों के लिए परिसंपत्ति गुणवत्ता जोखिम बढ़ेंगे, क्योंकि इन क्षेत्रों को टीकाकरण की धीमी रफ्तार के बीच कोरोनावायरस संक्रमण की नजर लहर से जूझना पड़ा है। रेटिंग एजेंसी मूडीज के अनुसार, फिर भी लगातार नीतिगत समर्थन और नुकसान को सहन करने की मजबूत क्षमता से नकारात्मक प्रभाव कम करने में मदद मिलेगी।

आसियान अैर भारत में बैंकों के लिए, कोरोनावायरस महामारी से संबंधित सख्ती से आर्थिक रिकवरी की राह प्रभावित होगी और कर्जदारों की ऋण चुकाने की क्षमता घटेगी। साथ ही, नुकसान से बचने के लिए मजबूत बफर्स, नीतिगत समर्थन और वायरस की चपेट में कुछ ही सेगमेंटों के आने से उनकी ऋण मजबूती बरकरार रहेगी।

भारत (बीएए3 निगेटिव) के लिए, अर्थव्यवस्था मार्च 2022 में समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में वृद्धि की राह पर लौटेगी। लेकिन गंभीर दूसरी लहर से परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार प्रभावित होगा। इसके विपरीत, वैश्विक आर्थिक गतिविधि के पुनः शुरू होने से वियतनाम (बीए3 पॉजीटिव), मलेशिया (ए3 स्टैबल) और सिंगापुर (एएए स्टैबल) में वृद्धि की रफ्तार मजबूत होगी।

वित्त वर्ष 2022 की पहली तिमाही के लिए सूचीबद्ध भारतीय बैंकों के परिणामों के विश्लेषण से पता चलता है कि सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) 12 महीने में 2.5 प्रतिशत तक घटकर जून 2021 में 8.1 लाख करोड़ रुपये पर रह गईं। लेकिन तिमाही आधार पर वे उन सूचीबद्ध बैंकों के लिए मार्च 2021 में 0.4 प्रतिशत तक बढ़कर 8.08 लाख करोड़ रुपये पर दर्ज की गई थीं, जिन्होंने जून 2021 में समाप्त पहली तिमाही के लिए अपने नतीजों की घोषणा की है। शुद्ध एनपीए सालाना आधार पर मामूली 0.5 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 1.4 प्रतिशत तक बढ़ा। प्रावधान और आकस्मिक खर्च मार्च 2021 के दौरान 9.3 प्रतिशत सालाना और 11.1 प्रतिशत तक घट गए। प्रावधान में गिरावट को प्रावधान कवरेज अनुपात में कमी के तौर पर नहीं देखा जाना होगा। बैंकों ने फंसे कॉरपोरेट ऋणों के लिए प्रावधान लगभग पूरे कर लिए हैं। बैंकरों का कहना है कि इसके अलावा, पहली तिमाही में ऋणों के पुनर्गठन का मतलब है कि फंसे कर्ज के लिए कम प्रावधान बोझ।

आय आकलन की हो समान व्यवस्था

सुब्रत पांडा
मुंबई, 10 अगस्त

माइक्रोफाइनैंस कर्जदारों के लिए सा-धन ने आय आकलन की समान व्यवस्था का सुझाव दिया

माइक्रोफाइनैंस सेक्टर में स्व-नियामक संगठन 'सा-धन' ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को भेजे अपने सुझावों में कर्जदारों की आय के आकलन के लिए एक समान व्यवस्था की मांग की है, जिसका इस्तेमाल इस क्षेत्र के सभी ऋणदाताओं द्वारा किया जा सके।

पिछले महीने अपने परामर्श पत्र में आरबीआई ने कहा था कि सभी विनियमित संस्थाओं को घरेलू आय आकलन के लिए निर्धारित कारकों की गणना के लिए बोर्ड-स्वीकृत नीति होनी चाहिए। सा-धन ने कहा है कि उसने सटीक आय आकलन सुनिश्चित करने के लिए इस क्षेत्र को मदद प्रदान करते हुए एक क्रेडिट एसेसमेंट टूल विकसित किया है।

कई विश्लेषकों का कहना था कि आय आकलन के लिए साझा ढांचा निर्धारित नहीं किए जाने के लिए आरबीआई द्वारा सकारात्मक पहल की गई थी, और इसके बजाय व्यक्तिगत संगठनों पर स्वयं आकलन की जिम्मेदारी छोड़ दी गई थी। कर्जदार के नजरिये से, अच्छी बात यह है कि पारिवार की आय की गणना होगी, व्यक्तिगत आय की नहीं।

सा-धन ने यह भी सुझाव दिया है कि 'राशन कार्ड' का इस्तेमाल प्रवासी श्रमिक होने की स्थिति में परिवार की पहचान के लिए आधार के तौर पर किया जाना चाहिए। आरबीआई के अनुसार, परिवार की परिभाषा (जिसे नैशनल सैम्पल सर्वे ऑफिस से लिया गया) है - सामान्य तौर पर साथ रह रहे और साझा किचन से भोजन लेने वाले लोगों का समूह, जिससे एक परिवार बनेगा।

सा-धन ने कहा है कि जहां प्रवासी श्रमिक एक साथ नहीं रहते होंगे और एक आम रसोई का इस्तेमाल करते होंगे, इसलिए वे पारिवारिक आय में योगदान करते हैं। 'इसलिए, इन सदस्यों को अलग किया जाना अनुचित पारिवारिक आय आकलन को बढ़ावा देगा।'

हालांकि ग्रामीण आबादी का करीब 19 प्रतिशत और शहरी आबादी का 33 प्रतिशत हिस्सा राशन कार्ड से वंचित है। उनका कहना है, 'यदि राशन कार्ड उपलब्ध न हो, तो ऐसी स्थिति में आधार को पहचान के तौर पर अनुमति दी जानी चाहिए। यह जरूरी है, क्योंकि इससे माइक्रोफाइनैंस संस्थानों को (राशन कार्ड के अभाव में) यह निष्कर्ष निकालने की अनुमति दी जा सकती है कि परिवार क्या है।'

यह भी सुझाव दिया गया है कि ग्रामीण और शहरी परिवारों की आय सीमा उन्हें सूक्ष्म वित्त कर्जदार के तौर पर चिह्नित किए जाने के लिए 2 लाख रुपये सालाना पर समान होनी चाहिए। आरबीआई मानकों के अनुसार, सूक्ष्म वित्त कर्जदार की पहचान ग्रामीण के लिए सालाना आय 1.25 लाख रुपये तक और शहरी तथा अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों के लिए 2 लाख रुपये तक की सालाना पारिवारिक आय के तौर पर की गई है।

आरबीआई ने माइक्रोफाइनैंस सेक्टर पर अपने परामर्श पत्र में माइक्रोफाइनैंस संस्थानों (एमएफआई) पर ब्याज दर सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है, जिससे कि इस क्षेत्र में कुछ खास बाजार कारोबारी इसका लाभ न उठा सकें। साथ ही उसने ऋण-आय अनुपात सीमा काभी प्रस्ताव दिया और कहा कि ऋण इस तरह से दिए जाने चाहिए कि किसी परिवार के सभी बकाया ऋणों के लिए ब्याज का भुगतान और मूल की अदायगी किसी भी समय पारिवारिक आय के 50 प्रतिशत के पार नहीं पहुंचे। आरबीआई का मानना है कि यह ऋण-आय सीमा सिर्फ एमएफआई के समक्ष पैदा हुए विभिन्न प्रतिबंधों की जरूरत को समाप्त कर देगी।

सा-धन ने अपने सुझावों में कहा है कि आय सीमा मुद्रास्फीति से संबधित होनी चाहिए, जिससे कि इसे नियमित आधार पर, हरेक दो-तीन साल में एक बार संशोधित किया जा सके।